Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher,
Dept. of Political Science,
V.S.J. College, Rajnagar, [illegible]

Date - 7th April, 2021

2020
May
FRI 29
150-216

Class - B.A-2 (Subsidiary)

Topic - संविधानवाद

Lecture - 2

परिभाषा :-

ब्लोण्डेल के अनुसार "संवैधानिक शासन वह है जो कि विशेषतया उदारवादी हो, जो शासन की शक्तियों और उनके प्रयोग को प्रतिबंधित करता हो और राज्य के नागरिकों को अधिकतम स्वतंत्रता प्रदान करता हो।"

जे. एस. राउसैक — एक धारणा के रूप में संविधानवाद अनिवार्य रूप से सीमित सरकार और शासक तथा शासित के ऊपर नियन्त्रण की एक व्यवस्था है।

SAT 30
151-215

सामान्य विशेषताएँ :-

(1) संविधानवाद मूल्य सम्बद्ध अवधारणा है — संविधानवाद का सम्बन्ध राष्ट्र के जीवन दर्शन से है। यह उन मूल्यों, विश्वासों व राजनीतिक आदर्शों की ओर संकेत करता है जो हर नागरिक को प्रिय है और जो राष्ट्र के जीवन आधार होते हैं।

SUN 31
June 2020
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
Shot on Y15
Scanned with CamScanner

01 MON 153-213

(2) संविधानवाद संस्कृति सापेक्ष है — संविधानवाद की अवधारणा इस अर्थ विशेष धारणा है जो कि संस्कृति से सापेक्ष पायी जाती है। हर देश के आदर्श मूल्य व विचारधाराएँ उस देश की संस्कृति की ही उपज होते हैं।

(3) संविधानवाद गत्यात्मक अवधारणा है —

संविधानवाद में विशिष्ट बात यह है कि इसमें स्थायित्व के साथ ही गत्यात्मकता भी पायी जाती है। यही कारण है कि यह प्रगति में बाधक नहीं बल्कि सहायक बना रहता है।

02 TUE 154-212

(4) संविधानवाद समभागी अवधारणा है — एक राष्ट्र के मूल्य, विश्वास, राजनीतिक आदर्श एवं संस्कृति के प्रति अन्य देशों में भी मिलते-जुलते हो सकते हैं अतः कई देशों के राजनीतिक आदर्श, आस्थाएँ व मान्यताएँ समान हो सकते हैं। ऐसे देशों में संविधानवाद आधारभूत समानताएँ रखता है।

(5) संविधानवाद साध्य से सम्बन्धित अवधारणा है — संविधानवाद मूलतः साध्यों से सम्बन्धित अवधारणा है किन्तु यह साधनों की पूर्णतया अवहेलना नहीं कर सकता।

June 2020

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

Scanned with CamScanner

2020 June

फिर भी संविधानवाद मुख्यतः WED 03
लक्ष्यों का ही पूरक है इस प्रकार 155-211
अब संविधानवाद लक्ष्य - प्रधान
अवधारणा है तो इसका अर्थ उन
आदर्शों से है जिन्हें समाज साध्य
के रूप में स्वीकार करता है

(6) संविधानवाद संविधान पर आधारित अवधारणा है — सामान्य परिस्थितियों में हर लोकतांत्रिक राजनीतिक समाज के मूल्यों का संविधान में स्पष्ट उल्लेख किया जाता है ऐसे संविधान पर ही संविधानवाद आधारित रहता है।

Scanned with CamScanner